__/__/____

Tender Heart School, Sector 33-B, Chandigarh.

Date- Class - V
Subject - Hindi Literature Page - 1
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

पुस्तक - नवतरंग भाग - 5
पाठ - 9 कठपुतलियों का संसार

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

यह पाठ-9 'कठपुतलियों का संसार' कक्षा पाँचवी की हिन्दी साहित्य की पाठ्यपुस्तक नवतरंग भाग-5 की पृष्ठ संख्या - 70 में दिया गया है। यह पाठ आपको 29.9.2021 को भेजा जाएगा।

प्यारे बच्चो! आज हम पाठ-9 'कठपुतलियों का संसार' पढ़ेंगे। इस लिए सभी बच्चे अपनी हिन्दी की पुस्तक नवतरंग भाग-5 का पृष्ठ-70 निकाल लें और अपने पास हिन्दी की एक अभ्यास पुस्तिका भी रख लें क्योंकि मैं आपको पाठ के बीच में कुछ कार्य लिखने के लिए भी दूँगी। यदि आप तैयार हैं तो मैं आपको पाठ 'कठपुतलियों का संसार' समझाने जा रही हूँ। सभी बच्चे इसे ध्यानपूर्वक सुनेंगे एवं समझेंगे।

बच्चो! यह पाठ कठपुतलियों के बारे में है। कठपुतली विश्व के प्राचीनतम स्वमंच पर खेला जाने वाले मनोरंजक कार्यक्रम में से एक है। प्राचीन काल में स्वमंचों पर भिन्न-भिन्न तरह के गुड्डे-गुड़ियों, जोकर आदि पात्रों के माध्यम से मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते थे। इन खिलौनों अथवा पात्रों को लकड़ी अर्थात् काठ से बनाया जाता है। इस प्रकार काठ से बनी पुतली का नाम कठपुतली पड़ा।

Scanned with CamScanner

__/__/____

Date- Class- V
Subject - Hindi Literature Page- 2
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

बच्चो ! प्रत्येक वर्ष 21 मार्च को कठपुतली दिवस मनाया जाता है। यह राजस्थान की एक प्रसिद्ध लोक कला है।

बच्चो ! अब मैं आपको इस पाठ के बारे में समझाऊँगी। सभी बच्चे इसे ध्यानपूर्वक पढ़ेंगे एवं समझेंगे।

शैली और शौर्य के शहर में तीन दिवसीय कार्यशाला लगी थी, जिसमें बच्चों को कठपुतलियों के बारे में जानकारी दी जानी थी। दोनों बच्चे बहुत उत्सुकता के साथ बालकेंद्र में जाते हैं, वहाँ सारंगी की मधुर धुन और ढोलक की थाप उनके कानों में पड़ती है।

शैली और शौर्य देखते हैं कि राजस्थानी वेश-भूषा अर्थात् कपड़े पहने लोग बेजान पुतलियों को सजा-सँवार रहे थे। दोनों बच्चों को देखकर एक महिला कलाकार उनके पास आती हैं और उनसे खम्मा घणी कहती हैं। बच्चे उनसे कहते हैं कि हम यहाँ कठपुतली बनाना सीखने आए हैं।

बच्चो ! मैंने आपको यहाँ तक पाठ समझा दिया है। अब मैं आपसे इसके आधार पर कुछ प्रश्न पूछूँगी। अब आप यहाँ तीन मिनट का अंतराल लेंगे और इन प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे।

प्रश्न-1. प्रत्येक वर्ष कठपुतली दिवस कब मनाया जाता है ?

प्रश्न-2. शहर में कितने दिन के लिए कार्यशाला लगी थी ?

प्रश्न-3. बच्चे कार्यशाला क्यों गए थे ?

बच्चो ! अब आपका अंतराल का समय समाप्त हो गया है। अब मैं आपको इन प्रश्नों

Scanned with CamScanner

__/__/____

Date -　　　　　　　　　Class - V
Subject - Hindi Literature　　　　Page - 3
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

के उत्तर बताऊँगी।

उत्तर - 1. 21 मार्च

उत्तर - 2. तीन दिन के लिए

उत्तर - 3. बच्चे कार्यशाला में कठपुतली बनाना सीखने गए थे।

बच्चो ! अब मैं आपको आगे पाठ समझाऊँगी, जिसे सभी बच्चे ध्यानपूर्वक सुनेंगे।

उसके बाद महिला कलाकार ने बच्चों को अपने पास बैठाकर लकड़ी का एक टुकड़ा दिखाया। फिर उस टुकड़े की घिसाई करके उसे पुतली का रूप देने लगी। चेहरे पर आँख, नाक और मुँह बनाने की प्रक्रिया को बच्चे बहुत ध्यान से देख रहे थे। अचानक शौर्य ने पूछा, "कठपुतलियाँ काठ (लकड़ी) से बनती हैं। तब महिला कलाकार ने कहा "हाँ, कठपुतली काठ की ही बनती है।

उसके बाद वह कठपुतली को रंग-बिरंगे कपड़ों और गहनों से सजाने लगी। उसने शौर्य और शैली को भी एक कठपुतली दी और सजाने के लिए कहा। दोनों बच्चों ने सजाने का सामान लिया और बहुत उत्साह के साथ कठपुतलियों को सजाने में जुट गए।

काम करते-करते महिला कलाकार ने बच्चों को बताया कि यह लोककला हज़ार वर्ष पुरानी है। यह राजस्थान के नागौर तथा मारवाड़ ज़िले के भट आदिवासियों का पारंपरिक व्यवसाय था। पहले कठपुतली कलाकार समूह में गाँव-गाँव घूमते थे और तरह-तरह की कहानियों को नाटक के रूप में दिखाते थे। यही उनकी जीविका (आमदनी) का साधन भी था।

Scanned with CamScanner

__/__/____

Date- Class- V
Subject - Hindi Literature Page - 4
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

उनका पूरा परिवार इस काम में हाथ बँटाता था। अब हमारे बहुत से साथी दिल्ली में जाकर बस गए हैं। अब वह दिल्ली में इस कला को जन सामान्य तक पहुँचाने की कोशिश कर रहे हैं। जहाँ वे लोग रहते हैं, वह जगह 'कठपुतली कॉलोनी' कहलाती है।

बच्चो! मैंने आपको यहाँ तक पाठ समझा दिया है। अब मैं आपको इसके आधार पर कुछ प्रश्न पूछूँगी। अब आप यहाँ तीन मिनट का अंतराल लेंगे और इन प्रश्नों के उत्तर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे।

प्रश्न -1. शौर्य ने महिला कलाकार से क्या पूछा?
प्रश्न -2. कठपुतली बनाने की कला कितने साल पुरानी है?
प्रश्न -3. कठपुतली बनाना किनका व्यवसाय था?

बच्चो! अब आपका अंतराल का समय समाप्त हो गया है। अब मैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर बताऊँगी।

उत्तर -1. शौर्य ने महिला कलाकार से पूछा क्या इन्हें लकड़ी से बनाया जाता है?
उत्तर -2. कठपुतली बनाने की कला हज़ार वर्ष पुरानी है।
उत्तर -3. कठपुतली बनाना राजस्थान के नागौर तथा मारवाड़ जिले के भट आदिवासियों का पारंपरिक व्यवसाय था।

बच्चो! आज हम यहीं तक पाठ पढ़ेंगे। आशा है आपको यह अच्छे से समझ आ गया होगा। अब मैं आपको गृहकार्य दूँगी।

Scanned with CamScanner

__/__/____

Date- Class- V

Subject- Hindi Literature Page- 5

Subject Teacher- Ms. Roma Rani

गृहकार्य :-

- बच्चो ! आप इस पाठ के पृष्ठ - 74 पर आए शब्द अर्थ अपनी हिन्दी साहित्य की उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।
- आप इन शब्द-अर्थों को याद भी करेंगे।

धन्यवाद।

Last page

Scanned with CamScanner